बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – चतुर्थ **दिनांक -03-11-2020**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज समरुपी भिन्नार्थक शब्द के बारे में अध्ययन करेंगे।

समरूपी भिन्नार्थक शब्द

एक घटना जानिए-

सेठ चुन्नीलाल ने जिस गरीब की सहायता की थी,

उसी से नाराज हो गए थे। पता है, क्यों? क्योंकि,

उसने कह दिया था- "सेठ जी! मैं आपका अपकार जिंदगी भर नहीं भूलूंगा।"

वास्तव में, उस गरीब ने अपकार शब्द का प्रयोग किया था जिसका अर्थ होता है- 'बुराई'।

उसे उपकार कहना चाहिए था जिसका अर्थ होता है- 'भलाई'। कुछ शब्द ऐसे होते हैं जो सुनने में लगभग समान लगते हैं

लेकिन उनके अर्थ अलग-अलग होते हैं। ऐसे शब्दों को समरूपी भिन्नार्थक शब्द कहते हैं।

आइए, समरूपी भिन्नार्थक शब्दों के कुछ उदाहरण देखें-

2.

अनल= आग

अवधि = समय

अनिल = हवा

उपकार = भला करना

अवधी = एक भाषा

असमान = जो एक जैसा न हो

उधार = ऋण

ओर = तरफ़

आसमान = आकाश

उदार = दयालु

और = तथा

कर्म = काम

कृपण = कंजूस

क्रम= सिलसिला

कृपाण = तलवार

कूल = किनारा

चालक = वाहन चलाने वाला

तरंग = लहर

चालाक = चतुर

तुरंग = घोड़ा

दिन = दिवस

निधन = मृत्यु

दीन = गरीब

निश्चित = चिंतारहित

निर्धन = गरीब

निश्चित = पक्का

पवन= हवा